पाठ 10- झांसी की रानी

पष्ठृ सख्यां: 77

कविता से

1. 'क ंतु ालगकत चपु े-चपु े ाली घटा घेरलाई'

( ) इस पकिं मेंक स घटना ी ओर सं ेत है?

ी बात

(ख) ाली घटा कघरने क्यों ही गई है?

उत्तर

ेपकत गगाधरं राव ी आ

( ) इस पकिं मेंझाँसी ेराजा और रानी लक्ष्मीबाई कमम मत्यृु ी ओर स ेत है।

(ख) पकत गगाधर राव ी मत्यृ सेरानी लक्ष्मीबाई असमय कवधवा हो गयीं। दसरी तरफ राजा े कनसतान होने े ारण अग्रेज़ों ो झाँसीपर ब्ज़ा रने ा अच्छा अवसर कमल गया। इसकलए ाली घटा ी कघरने बात ी गयी है।

ो

2. कवता ी दसरी पकि मेंभारत 'बढा' ह र और उसमें'नई जवानी' आने ी बात ह र सभद्रा ु ुमारी चौहान क्या बताना चाहती हैं?

उत्तर

भारत धीरे-धीरेअग्रेज़ों ा गलामु बनता जा रहा था। भारतीयों मेंसाहस नहीं बचा था क वह अपने ी े इसक मातभृकमू रक्षा र स लए। वकयत्री नेभारत ो 'बढ़ाू' हा है।परन्त ुरानी लक्ष्मीबाई ने

ा क या और
भारतीयों मेंअदम्य साहस सचारं अग्रेज़ोंं ेकखलाफ उन्हेंखड़ा क या, कजसे वकयत्री
ने'नई जवानी' ेआने ी बात ही है।

3. झाँसी ी रानी ेजीवन ी हानी अपनेशब्दों मेंकलखो और यह भी बताओ क उन ा बचपन तम्हारेबचपन से ै सेअलग था?

उत्तर

झाँसीी रानी लक्ष्मीबाई ेबचपन ा नाम मकण कणि था परन्त लोग प्यार सेइन्हेंमन हतेथे। जब यह चार वर्ि ी थीं तभी इन ी माता ा देहात हो गया। बचपन मेंही इन्होनेंशास्त्र ेसाथ शस्त्र तथा घड़सवारी सीखा। इन ा कववाह झाँसी ेराजा गगाधर राव से हआ। परन्त जल्द ही राजा ी आ कमम मत्य हो गयी। राजा ी ोई सतान ना वजह सेअग्रेज़ों नेझाँसीी हड़पना चाहा परन्त लक्ष्मीबाई नेइस ेकवरुदध आवाज़ उठाई और यद्धभकम मेंवीरगकत ो प्राप्त हई।
हम बचपन मेंकि े टऔर वीकियो गेमखेलनापसदं रतेथे।आइसीम, चॉ लेटतथा अन्य चटपटी चीज़ेंखातेथे।वही ाँलक्ष्मीबाई बचपन मेंतलवारों सेखेलनातथा अस्त्रों-शस्त्रों ी कशक्षा लेती थीं।

4. वीर मकहला ी इस हानी में ौन-ौन सेपरुर्ो ेनाम आए हैं?इकतहास ी ुछ अन्य वीर कस्त्रयों ी हाकनयाँखोजो।

उत्तर

इस हानी मेंवीर कशवाजी, नाना धधंुपूंत, ताँकतया,चतरु अजीमल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठा र ाँवरकसुंह, सैकन अकभराम आकद अने वीर परुर्ो ेनाम आए हैं।बेगमहज़रत महल, रानी द्रोपदी बाई, रानी चेनम्माआकद इकतहास ी वीर कस्त्रयाँहैं।

पष्ठृ सख्यां: 119

अनमानु और कल्पना

1. कवता मेंक स दौर ◌ी बात है? कवता सेउस समय ◌ेमाहौल ◌ेबारेमेंक्या पता चलता है?

उत्तर

ी
ी बात है।उस समय भारत गलामी
कवता मेंभारत ेप्रथम मवतंत्रता सग्रामं 1857 अग्रेज़ोंं ु
ा दश झेलरहा था। अग्रेज़
कवकभन्न चिों द्वारा भारत मेंअपना साम्राज्य फै लातेजा रहेथे।इस
रो ने ेकलए चद वीर आगेआयेऔर उन्हेंरो ने ा भरपर प्रयास क या हालाँक यह सफल नहीं
हो पाया परन्त इसनेभारत मेंआजादी ेजनन ो आगेबढ़ाया।
ु ुु

2. सभद्रा ु ुमारी चौहान लक्ष्मीबाई ो 'मदा िनी' क्यों हती हैं?

उत्तर

यद्ध जैसेायिमदों ेकलए मानेजातेहैंपरन्तुलक्ष्मीबाई नेइसेगलत साकबत शस्त्र रतेहए यद्धभुकमू में उठ र अग्रेज़ोंं सेजम र लोहा कलया। उन्होंनेमदों जैसीवीरता तथा गणोंु ो कदखाया इसकलए

सभद्रा ुमारी चौहान ो हती हैं।
ु लक्ष्मीबाई 'मदा िनी
'